

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कपदिकियकनशागंकगसर्वत्रधजगजघरखवनदकपथमसर्वशत्रुपदंष्ट्रजः
रुक्कधनवजवधखदांगकमधुनरडिगुलमज्जनवजवानगनयनिरुदनकगार्ह
नर॥ कंरुहाकीरुकात्रहननवर्हउक्तमृगाकात्रहावयकिशकवकनृगानयकपा
मज्जवात्रनिःपत्रमाशवज्जुः तथाध्यायक॥ ५ ॥ नागमधूमरु॥ कालरुप॥ ॥
नीलवर्णवात्रीदवीः वज्रिकुलकशिकाः लावकमयलरुषिमाशनमानिशद
वीथीमामकिसमानमेः रुकिं प्रजिनास्वस्ववीजाक्रनेसत्यनाः नवजीवनसूत्रसूत्र
नीशयककममरुयः किनसूत्रपासनासूत्रननेः वदिकाशनमवदुहपयिगनरुध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मननसिद्धिममद्विसिद्धि॥ ५ ॥ नागमधूमरु॥ कालइर्जमान॥ ॥ पितृव
रुमासकिदवीविश्वव्यापिः ममरुपाननृपमाननीदवीशनवजीवनहेलाकसूत्रसूत्र
नीः स्वस्वीजाक्रनसमस्यनाशनवज्रिकुलकशिलावज्रमयलः लक्रगणउचिरुषिमाशन
नमामिथीवात्रीदवीसूत्रधनीः पूजयामिमनावांकिनाशनगुननृपनरुषगमासिरु
क्याशननृनसिद्धिसंपद॥ ५ ॥ नागनारक॥ कालइर्जमान॥ ॥ नरुवर्हन
तडियनायनसूदनीः मसादगरुज्जुलननुकिनरुध॥ ५ ॥ दुष्कदवीवात्रीमान
कीदवी॥ जगत्पमादित्रनयनसूत्रग॥ ५ ॥ नागमवदपूजानववानशनजागध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमदिक्तायुत्रयदरग॥ ५ ॥ यंचवद्वस्त्रयसुश्रुतसहस्रगणिनीलेयाहृन्व
 नुहृन्व॥ ५ ॥ गङ्गायुत्रयनाथगिलंगनधनियारुनयिवाकवज्रसुननसुन
 य॥ ५ ॥ नागकक्र॥ कालचक्रकान॥ ॥ हनिगवर्धुनिःडिनयनसुन्दरीन
 वजोवनवावनगारा॥ ५ ॥ दुष्कदवीमामकिवात्रुदिदवी॥ मरुदगहृजाहृलन
 नुकिनरारयभृद्वस्त्रयपादुष्कगागिदीग्वनी॥ ५ ॥ हकात्रयहृनगवर्धुहाकान
 गंधनाग॥ कीकानवीरुहनामृमृनाकान॥ ५ ॥ गङ्गायुत्रयनाथगिलंगनधनियारु
 नयिसिद्धिवज्रचक्रिणी॥ ५ ॥ नागगन्धार्जुनवि॥ कालचक्र॥ ॥ अकदह

नमस्तुतानस्त्रययक्षमिणानस्यक्षगानिपुत्रिया॥ ५ ॥ दुष्कदव वनिनायापि
 हृवस्त्रि॥ वीनमलापकसमयाज्ञानन्द॥ ५ ॥ वीनवीनचनसमयाज्ञानन्द॥ २क
 नकमलासनहृदयाज्ञानन्द॥ ५ ॥ पक्षवद्वयं वस्त्रयस्त्रय॥ दवास्त्रननत्रयमा
 दिरुहृदया॥ ५ ॥ उंमा॥ उंकीखंमाधनकनिरु॥ उमत्रयस्त्रयनिवित्रमाज्ञानन्द
 ॥ ५ ॥ नागनाटक॥ कालचक्रकान॥ ॥ हानुमद्युलमारुमामकिदवी॥ मालि
 कालिदयिनाययिहृन्व॥ ५ ॥ नमामि॥ यीमामकिदवीदिरुवननाथ॥ संपर्क
 ममरुद्वज्रगहृवखान॥ ५ ॥ नकवर्धुवहृमलदिनिनावनःविश्वकृलिगमृद

चतुर्भुजः ॥ ५ ॥ अकिनिनामाखुनाहात्रपिनी चतुर्द्वीकीदकिविनासा ॥ ५ ॥
 रुषिकवटमूडाकुडीसंदीनम्वनःरुनयिन्नयमवज्जामकिदासा ॥ ५ ॥
 सुप्रसिद्धानारकनाग ॥ एकतल्लिनाल ॥ ॥ डिदत्रसनात्रहदिनकत्रमधन ॥
 किरुडिरुवनजननि २ नगरवर्ध ॥ उत्रकिनियनःमानवहुनगदाकुन्दनि ॥ ५ ॥
 दविकनकिपात्तधना ॥ ५ ॥ रुषिकनत्रगिलमाला २ कमलकुलिसुइयिनात्र ॥
 बाजयिनांनयिसहजसुत्रपिनी ॥ ५ ॥ चकिसिलक ॥ रुकिलक ॥ रुकिलकसाहा
 २ हा ॥ थलाचककहिंयाउमखला वन ॥ दानापत्ररुखनी ॥ ५ ॥ रुवयदयातनरुजव

नक ॥ अहिनिहातकनाया २ हावाहावविदकिमन्नरुनमगदसुत्रपिनी ॥ ५ ॥ यइ
 मयवज्जपदगिलंगरुधत्रिणागावकिहासकुलिग २ मन्नरुनसिद्धिमाद्रुपदायत्रीप्रद
 मामिथीवज्जगिनी ॥ ५ ॥ नागकद्र ॥ नात्तमाथ ॥ रुयवाकलिद्वीनृवद्वीच
 न ॥ रासयत्रसुनासुनवन्दिरुवन ॥ ५ ॥ रुह ॥ रुगवतियाइकमन्नमहिमडिग
 नायननृद्यरुनकाना हा ॥ अरुनमरुनविहविहनापुनघट्टउलावा ॥ पिनि २ डि
 नयनुनयनातनाका ॥ ॥ गिनेसिन्धुनवात्रिकर्जनयना ॥ कन्नुनिकर्पनरु
 नयिनास्वना ॥ ५ ॥ कनकिपात्तधनिमेघुमालारुषिकः रु ॥ थलागकया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते ॥ ५ ॥ रुतपि सुनरुवज्जवा कलियासः श्रीवज्रपाणिनी वनदप्रसादः ॥
५ ॥ यमजलिनाग ॥ माथनाल ॥ ॥ मधुलसमयवक्रमधुलसंपर्क ॥
बादगुरुजवउवात्तवयम ॥ जानकु कन ॥ य ॥ सम्वयगिनी ॥ श्रीयंवकला
दवीप्रवतावनिया ॥ जाकिनीनामाखद्य ॥ हाय ॥ यनी ॥ वावीमानवउवापियात्र
२ कायवाकविहृषितिरुवने ॥ दानयपिया ॥ गुरुवतावधी ॥ यागयागिनीस
मनसहाव ॥ प्रहममनयीहृत् ॥ ५ ॥ गन्धवमानगिनाग ॥ इज्जमा
ननाल ॥ ॥ जटादधानकुरुमिदम् ॥ कायायवास ॥ कुरुदहयम् ॥ सं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यागयगुरुकनयमडा ॥ गन्धवनागकधिरुगयशी ॥ ॥ नमो इज्जमाकाव
द्यप्रवधव ॥ सकुपिसत्तुउवावद्यवना ॥ कनाइ ॥ कनाकगइ ॥ ॥ यवनस
गंधिदिदहधव ॥ सप्रदससाहियंकावनवना ॥ ॥ इदमालिगनजागध
न ॥ वज्रघटसडाप्रयमनृति ॥ ५ ॥ मायाविदहनिनजगु ॥ साहियंवजसत्त
यममध्वन ॥ ५ ॥ मधुमरुनाग ॥ इज्जमाननाल ॥ ॥ ज्ञानमनजक
नकाहृष्टेवि ॥ नगावसानः वरुनमृगाक ॥ मृगधविध्वंजमनाप्रणाक ॥ म
थकनियंकधिरुमनिडे ॥ ॥ दिवकनवविगागिमधुलसा ॥ इति

माधवमायापुत्रदत्रवक्ता नृदपिगवायाधुवनका समप्रसन्नायागविमोहाः
 ग्यानत्रनागसंसादिनदहा ॥ नत्ताह्वनाप्रभादिनमोति कयूननायन
 ननरुतकावा सुवनननागावन्दितवनदा जायसुप्रभवप्रभववीना ॥ ५ ॥
 विरुसनाग ॥ माथनाल ॥ ॥ नाहिमधुलमाहउरुनरुविना ॥ ससमससह
 जसमानगता ॥ ५ ॥ ॥ दवीधीकुमसिकउर्दगता रगगदागिखलमाहलीनगता
 ॥ ५ ॥ ॥ दहिनकनगिलगपाप्रभ्रिना ॥ रामखदागध्रुजभ्रिना ॥ ५ ॥ ॥ सवः
 कालमुखमालासिना ॥ ननगिलमालाविरुषिना ॥ ५ ॥ ॥ गवकिह्वनरुवजइ

नृदपिगवा

गिहिरिना ॥ जवनमरुयययिस्यविना ॥ ५ ॥ ॥ हेनवीनाग ॥ जकिनाल ॥ ॥ प
 र्ददिगांचनयदागमभन ॥ दवीवक्तायनीहंसासनी ॥ हेनवसहाकालगदायकिह
 मात्रावीनक्रुदपालयक्रयक्रवी ॥ पूजियात्रममम्लिवलिनृधिनावावधियागि
 तीमाहगदा नृदह्वनधीमृदुगमभनरुप्रनयिगचगदा ॥ ५ ॥ ॥ उरुनदिगा
 चनहालांकलमभन दवीनृदायनीद्वेवाहनी ॥ ५ ॥ ॥ मृदुकादाकिलिंकि
 लमभन दवीकोमात्रिमयनासनी ॥ ५ ॥ ॥ नेमृकादालकीवर्हमभन
 दवीधेह्वीगनजसनी ॥ ५ ॥ ॥ दक्षिदिगांचनधानाभ्रकमभन दवीवाना

नृदपिगवा

हिमहिवासनी॥ ॐ ॥ यश्चिमादिभवनमहसहस्रगगान॥ दवीञ्ज्यायनीगज
 बाहनी॥ ॐ ॥ वायव्यकादिभवनमहसहस्रगगान॥ दवीचामजप्रभासनी॥ ॐ ॥
 ॐ गगनकादिभवनमहसहस्रगगान॥ दविमहालक्ष्मीसिंहासनी॥ ॐ ॥ यनरति
 पूजा॥ ॥ गन्धनरुहेनवीनाग॥ जतिमाला॥ ॥ नीलंजनन-नृविहीयनवी
 नमूर्ति-काकागनृपवनवडक॥ ॥ उग्रकनागायेकलालनख॥ कपालीपीरुज
 वसकलमाहकागनानाथ॥ ॥ ॐ काङ्करुद्रकखासामंडविगघउचाजन
 पूजापूजितपूजासंख्य-कलसूत्रपहवकुन॥ खरवखाहियात्रमममलिवलिपूजा

न घघघादयश्चिप्रहय पंचामिराजसयंचसहजिन-पञ्चखानसर्ववलिना॥ स
 र्वयक्रनाक्रस-रुद्रपतपिगाचगतामृपसमाज॥ ॥ जकजकिनीइरिगृ
 मगाम-दंबसिगृद्रुद्रकुन॥ सगयानककुमाकसिद्धि-सर्वसुखयदमातित्र
 रुजयेवजयेवरुजथयिवत्रः-विषयमाहकाहवकुन॥ ॥ दानयमिसर्वका
 र्यसिद्धि॥ मगानथसर्वसुखयदमातित्र॥ मगसमाजकथागकवन-साहायक
 लरुकुन॥ ॐ ॥ २० ॥ देहासनागमाथमाल॥ ॥ उदिनामलनयप्रवन
 अनाशवनसहजसककानसगगा॥ ॐ ॥ यानइन्द्रकुरुयनिमादमिनाश्चखयनि

उदिनामल

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पंजनमाक्रगता॥ ॥ दिनकरमवलम्बगता॥ सहस्रामृतनस्यवरुणा॥ ॥
दग्धात्रिभुविहयकुकिनिहवा॥ दवाह्नगजसवरुणा॥ ॐ ॥ गजकिपवनगुत्
रुगता॥ वज्रवाहाहिपुष्पयिगिन्नमिता॥ ॐ ॥ विष्णुसुता॥ मा० ता० ॥ ॥
ॐ ॐ ॐ दहधन॥ संसानदहधन॥ दहधनालिंगादहधन॥ हवजाकुम्भरुना॥ रंगरं
ॐ ॐ ॥ ॥ स्नननवदिहवजवज-कस्मविहयनदहधन॥ रावविमकुटवि
सहसा॥ पुष्पगुणमाकारियात्र॥ ॥ नमामि॥ श्रीहन्व॥ पुष्पगुणमाकारिया
यात्र॥ ॥ नागवउमिप्रि॥ सुकनाथनात्॥ ॥ आउमाह्नसक्रियात्र॥

न धनयिकता॥ त्रिभंरुसा॥ दियगायनमधियसमस्तम-मकरकगदिगं वना॥ रत्न
मात्रासमनयाया॥ सहस्रसुन्दरीनात्रकाला॥ हसविनाहि॥ वज्रवाहाहि॥ रजस
हिमात्रकाला॥ रगात्रिभुवायनवनसहस्रयन॥ कर्पूरहनयिगावाला॥ रंगगयनीलाव
र्णवन्दिप्रकला॥ भजममुल्लखनीता॥ ॥ दियधनसहस्रग कादि॥ रगासंवनप्र
पिगयिगुणरुवताया॥ ॥ हसविनाहिमवज्रवाहाहि॥ पुष्पविहृदसहस्रं प्रधनाः
॥ ॥ गावन्तिलितावज्ररुपिगावालिगन॥ रगागुन्वचन॥ रगावाध॥ समयावा
नन्दरुलि॥ रगावमुत्त॥ सम्वनवज्रवाहाहि॥ ॐ ॥ रगाउमिनिगा॥ उकऊदिः

भा॥ ५० ॥ ॥ गगन ॥ गगनकुम्भि॥ नाद्यवसुवदिगवतुनग ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥
 हविनास्यउयविगलश्वना॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ गगन
 हदान॥ गगनमाथ॥ ॥ नृदिशिदिगुहसवासेरर्थ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ गगन
 हवनव्यापिह॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ गगनपमंजलि
 ॥ गगनमाथ॥ ॥ एवमहापाउममयावालिपुवखान ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ गगन
 नाधियान॥ ॥ रामपाशानन्दहनमिहपि॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ गगन
 १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ गगन

मयनमि पातन

नय ॥ मयत्री संवत्सराष्टका नदव हवजकाय विश्वरुलिया २ या गवा गिति मः
निया विश्वजनने २ समया मानदरुन कि हापी. सिंहनाद वाजिया अउमन उसा २
२ मृषया गिनी दान पद २ जाले धन पूग मवध वनयिया २ कर्षपा नरा रुन कि
हायि ॥ ५ ॥ ॥ नागपमंजलि ॥ नालमाथ ॥ ॥ षट्का गिनी देवीः
विरुवनवापिनी विप्रमान इष्टदय विनागनी ॥ तमा मि २ श्री वरुवा जाहि न
द्विसिद्धिदायनी जगतजननी ॥ ५ ॥ पूर्वद नगरुन कवर्ह गी २ ०० भा नया
मिति देवी नीलवर्ह गी ॥ वायव्यमाहिनि दवि गी कवर्ह २ यश्चिममं चानिनि

पं नयन

द विरगे नवर्ह गी ॥ नेमसंज्ञा सिनि हनि कवर्ह हा २ दक्षिणवधु का देवी
क्रमवर्ह गि. चहुन उऊय कानना. पंचमद्रुनना. स्वस्वी जसं हा वन वन सदिगं
वना ॥ रुन पि वजाचार्य सिद्धि वजन वधना नि श्री वरुया गिनी चनरसा ॥ ५ ॥
नागरु वव ॥ नालरुप ॥ ॥ पंचरुथा गारु अत्रिया अ समया वार्य विश्वरुन व
ह २ दगदिग दगवल मानदरुवक. दान पदिया विप्रनिन वानुत्रह ॥ ५ ॥ ॥ ॥
रुनी नवी नम्र वलि दानदहा. दान पतिया गुरु मवना नुत्रह ॥ ५ ॥ कालवलि २
थापियात्र. मधुलमानु विश्वरुन नया २ पूर्व येना वन दक्षिण नल सरुव यश्चिम २

नमो हस्तिनवापियात्र ॥ उरुनमो घसिदि नारु म्प्रापना लिमात्रवउयापि
 पात्र २ तमाधिपीसंव नमारु कालवक हवजविश्वरूपत्रह २ नानाकाधिसत्त्वमा
 गिर्गदस मधुलमात्रविश्वरूपत्रह ॥ सिंहनादवाजि वात्र उमत्रवाजं न म्प्राप
 गिनिमत्रिगृहियात्र २ जालंधविपका कर्षपाभा वपिया चातिनालवउचक्रथ
 पियात्र ॥ ५ ॥ ॥ वागकज्ञान ॥ कालवटककात्र ॥ ॥ मुहिरिभना
 उग्रयवला प्रियनमखरु जवनमा लक्ष २ ग्यालिंगननत्वा रनना वज्रय
 लधप्रिननगिलमाला ॥ ५ ॥ नमामिपीकुलाक विक्रया विश्वनाथविश्वः

वापिया २ वृद्धधर्मसंघपात्रि २ गिरानपादगनन लिमात्रवउयापि
 नाथविश्ववापि सादेक प्रित्तापमकाधसत्त्वमा प्रातिमसदगकाधविच्रम
 हापा वगोप्रसक्तकथानासात्रसंस्तना विगोविकर्मयहृदिदित्रमा २ प्रुया
 यधनामात्रासदहासर्वजोरविदुपा रसयना समवनाममनिवदहा वि
 ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म
 न ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म
 न ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म
 न ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म

नमो हस्तिनवापियात्र

नागा॥ घानाश्वकस्मरानप्रदुक्कवा. अनकनागयननमघा २ कित्रिकिनिवा
 नाश्वरुनवृक्षाकलिकनागवर्चनमघा दगहजा दगहुवनाचुववृक्षवदना
 दगनयना २ हनयिकर्षपा नाखरुसम्बनकालिनादिनिपूचायपिवदना॥ ५
 ॥ ॥ नागतनावनि॥ नालदाहना॥ ॥ नम्माकननवादनधिनयना २
 कंक्षसाहासकसिद्धनप्रयिता॥ ५ ॥ घाघननउतहाथयनगुधना २ कुजमूल
 श्रुतसुधधनि॥ ५ ॥ कुम्हनिरुम्हनिमाहनिश्रुकल्यणी २ आदिमध्याककगुरु
 कल्यायमिता॥ ५ ॥ स्वर्गमध्यानालेडिरुवध २ गरायनिद्रुजिअसर्वकार्यसिद्धि

॥ ५ ॥ नागकथक॥ नालइऊमान॥ ॥ श्रुवनिनिहितजान्निस्समदहा
 ककनधिनयनहिषवयना॥ ५ ॥ ननाकानाकाइंइंइंजागश्रुवृत्रकाधना
 या २ निविघनइमिसाहितमगनपागखरुधनिडिरुवविना॥ ५ ॥ विविधि
 नत्वमोलिलेकरदहाजगरुविवांकिरुवलरुलदायका॥ ५ ॥ ॥ नागका
 लयि॥ नालश्रुतमाथ॥ ॥ कात्रयिअथिउवाजा २ म्मन्निअककाजा २ घनका
 यिथिउवाजा २ कत्राधियालिनाजा॥ ५ ॥ मनयाऊकन्डूवाऊयिया २ लिन्दिः
 वाऊयिया वऊयिया २ रुहिनान्खाऊयिगाध २ मयनाजावयियायिया २ हलिका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

लिङ्गत्रयमालिङ्गत्रय २ इन्द्रवाक्ययियायिया २ वज्रसमकमुत्रिहिनाः कर्पूत्रवावनयि
यायिया २ नालियायि धूनसात्रिजल २ त्रिहिकात्रवाक्ययियायिया २ अवनक्रक
त्रकः सूर्वासूर्वनमनियायिया. नित्रसूर्वासूर्वावयिया २ त्रिहिकसत्रावययन
मामिया ॥ ॐ ॥ नागसधूमन ॥ तालजुरि ॥ ॥ इतिरुवजानत्रयीचक्रसम्
त्रकानाहवजिह्वायवमान मासा इति मध्यमां संज्ञा. पञ्चसात्रिसयमासहक्रक
॥ ॐ ॥ खखखाहि २ त्रग्वक्रदहनपंचामियात्रसत्रविनिना २ श्रीवज्रजागितिः
दाकिटीनामाखद्युनाहानयिनीयंदयागिनी २ कृत्तिसंवित्रग्वत्रमद्युतकलसकित्रि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

किनायमान ॥ दमत्रयधूमनिप्रमादिरुवाकियात्रः दानपतिविघ्नविनासिना २ या
गिटीपञ्चमयकृत्यत्राहवहुसुरुभाकिप्रयियात्र २ मात्रविनासतत्रक्र २ सयत्रा
हिमथसुखरुलमाक्रहवहु २ सर्वसिद्धिवाकजह्वागनाकत्रा इति आकार्यसाः
कविह्वा २ यथमा इतिरुलपानिसयत्राः सत्ररुत्रहूनसत्रमाक्रप्रदाता ॥ ॐ
॥ ॥ नागविहस ॥ तालमाथ ॥ ॥ त्रिदलकमलवनकसूमसयत्रा
मधुकनहत्रा २ श्रीविनूपाक्रखर्गमुखदवि. मण्मनपालसत्रिना ॥ ॐ ॥
नमामिनेनात्मा त्रिरुवनमाता ॥ वक्रलादवीथीमृगकृत्ति ॥ सयत्रसत्रासूनव

शुभ
शुभ

निरुचननः श्रुतगत्रिद्विसिद्धिवलप्रदाता॥ ५ ॥ नन्दनवनमिवनन्दनकत्र
वः श्रुतगकसुसयालिजातवनः २ निष्पगंगासमवागमतितीत्रः श्रुतगतीर्थसु
निर्मला॥ अष्टरुत्रवमृष्टयागिनीदवीः श्रुतगदवास्वप्रदपाल॥ अष्टमहा
यज्ञनिरुतिप्रवाजनी २ श्रुतगविघ्ननिप्रवाजनी॥ ५ ॥ विघ्नव्यापितताजनी
दवीः अष्टयतिप्रजनमाहित्रपा २ अष्टिमकुसुखरुलदायनीदवीः जनम २ शुभ
सुननगता॥ ५ ॥ नागमालव॥ नालमाथ॥ ॥ एकवदनप्रलम्बकटा
लकणावधुर्जखद्रपूककगत्रधनधानि॥ ५ ॥ नमामित्रीमंशुथीयमेन्द्रध

शुभ
शुभ

ना॥ सुयत्रमासाः पत्रिप्रनिरुधप्रिताः दहिनथीगनपतिः वामथीमहाकालः
सगद्यमसुलमाष्टः प्रहलिरुक्लिता॥ गृहिसंहाननायाविघ्नव्यापिताः अष्टमहा
हयवद्व्याधिइतिरुहना २ वज्रधनप्रभादिप्रदासहनयिणागुत्रप्रदमात्रसि
धिवनप्रभाद॥ ५ ॥ ॥ नागरुत्रव॥ नालवद्वंकाल॥ ॥ पूर्वदि
गस्तिरुवक्तायनीदवीः कनकवर्णगीः हंसासनी २ उदिन्यादिसिस्तिरुद्राय २
नीदवीः चन्द्रसमदहावृषवाहनी २ अष्टमस्मानवित्रवित्रधनः नावयिसहजान
दय॥ ५ ॥ प्रदिन्यादिगिस्तिरुद्रायनीदवीः कंकमवर्णगीः गजवाहिनि २

नमो भगवते वासुदेवाय

जाम्बादिसिद्धि तवा नाहि दवी वक्रिसमदहामहि वासनी २ अग्रयथीसिद्धिका
मानिदवी अग्रयसंहागी मयनासनी २ नेमस्येयथिसिद्धि तवेहूवी दविहनिनवधं
गि गनूजासनी वायव्येयथिसिद्धिका लिकादवि सूर्यसमदहाप्रतासनि २ ॐ
गानप्रतिष्ठितमहालक्ष्मीदवी क्रमवर्गगी सिंहासनी २ गतगुनवत्रयगिलंग
तथप्रिया भवतिसिद्धिवज्रवजाचार्यगीता ॥ ५ ॥ ॥ नागनाटक ॥ ताल
इर्जमान ॥ नमामि २ जिनधर्मभक्तुखयं २ प्रिहवतननूतनधर्मभक्तुवागीश्वरं
॥ ५ ॥ नमामि २ जिनयं ३ जिननमास्तु २ दगहूमि द्वादिगदमहासूचनाया ॥ ५

नमो भगवते वासुदेवाय

सर्वमध्यपातालकुवतपीकापात २ प्रवउनिवंगनमहामनिधवा ॥ ५ ॥
धर्मपीमिडहानपीमिड २ नपालमधुलमाष्ट सुनासत्रयि ॥ ५ ॥ वामकु
जयस्तकधनधनिदर्वकनसक्तिद्रावर्गसत्रधना ॥ ५ ॥ जीलाकश्वनमधुल
महासमवत्राजा २ राजाधिनाजनप्रनुमल्लदव ॥ ५ ॥ श्रीवजाचार्यवधूद
शाचार्य २ एतयिवाकवज्रिनिनावनविना ॥ ५ ॥ ॥ नागयवम ॥
ताल ॥ ॥ कैलववंधूमधनसुसुल्लकजलवदनपीहवगराश्वन ॥ वि
विधिउपहारमविकसितसामनावांकिरुः सिद्धिरुलप्रसारा ॥ कनाकाकनाः

गुरुमहिम्न
महिम्न
महिम्न

का॥ ॐ ॥ ॥ नागहन्ताल॥ तालमूलमाथ॥ ॥ ॐ महिधनचुदि
गखलावा वागममिपलिमछिता॥ शुविमंगलककयमीनकलिसा॥ जलग
हिलदेवनिवासिता॥ नानाका२॥ ॐ ॥ नागहन्ताल॥ तालजति॥ ॥
मृदिसिद्धिगुरुसवासंपूर्ण॥ २॥ अयविधमनप्रिगुवनयापिता॥ नानाका३॥ ॥
नागनामकनि॥ तालजति॥ ॥ अखयनिलंजनमृदयमृनमयः गगनक
ननजम्बुविता॥ २॥ गुन्यताविनामिह नायथीविद्यादवि प्रायविरुसमजालिल
॥ ॐ ॥ नमामि विनालं ननखलावाः हठरुलसंकादिता॥ २॥ सलदचन्द्रसमः

नागनामकनि
महिम्न
महिम्न

मज्जकागिता जलजवन्दसमयापिता॥ २॥ नानन्दपनमानन्दविनस सहजचु
नालन्दजसम्भवा॥ २॥ पनमविनमाहः नकादिनमहागुरु सगतसंपदप्रापिता॥ २॥
वडर्गवागवनसाधिप्रचक्रवर्दिमन्मधुलसमयितलिताना॥ २॥ निर्मलहियाव
कुम्भापिह मृदिनिगिखचनजकुमयसाधना॥ २॥ हवजकालचक्रसम्भन
ककारिसिद्धिपात्रगता॥ २॥ श्रीहगतं दियानर्पमित्रिजालथप्रचक्रमहासह
जानक॥ ॐ ॥ ॥ नागनाटक॥ तालजति॥ ॥ नमामि॥ श्रीव
जयागिनीकनूदीमधुलमारुप्रकलितदहा॥ नोमिथीवजजामिदीनाहि

मदरुहा २ मन्त्रुनवाधिप्रदायिनिदवी ॥ ५ ॥ धिरुवनवापिकदहिन
कनरिदन २ सहजानन्दनृपिणीदवी ॥ ५ ॥ कृतागममनाहममद्युलश्वा
मयर्षनकर्तुखद्वागधनि ॥ ५ ॥ नकधर्मादयानाययिनादव २ यदामामि
५ वंक्तुलिगुहग्वनि ॥ ५ ॥ ॥ नागमउमिनि ॥ नालमाध ॥ दंवीत्र
५ सनवनविवागयिकगा २ उर्थरुनादामद्युलनायाहगमत्र ॥ ५ ॥ ऊगकनि
वासियात्र ॥ अमियममिया निनकदर्ग २ सहजसुन्दत्रिनेयाजिनद्वयप्रयि
सनावपित्र ॥ ५ ॥ ॥ उदयगिनिहनामत्रा २ वजवानाहिनालिमहाकात्र

५ ॥ उर्थहना ॥ नाक २ मन्त्रुनवाधिप्रदायिनिदवी ॥ ५ ॥ धिरुवनवापिकदहिन
कनरिदन २ सहजानन्दनृपिणीदवी ॥ ५ ॥ कृतागममनाहममद्युलश्वा
मयर्षनकर्तुखद्वागधनि ॥ ५ ॥ नकधर्मादयानाययिनादव २ यदामामि
५ वंक्तुलिगुहग्वनि ॥ ५ ॥ ॥ नागमउमिनि ॥ नालमाध ॥ दंवीत्र
५ सनवनविवागयिकगा २ उर्थरुनादामद्युलनायाहगमत्र ॥ ५ ॥ ऊगकनि
वासियात्र ॥ अमियममिया निनकदर्ग २ सहजसुन्दत्रिनेयाजिनद्वयप्रयि
सनावपित्र ॥ ५ ॥ ॥ उदयगिनिहनामत्रा २ वजवानाहिनालिमहाकात्र

५ ॥ उर्थहना ॥ नाक २ मन्त्रुनवाधिप्रदायिनिदवी ॥ ५ ॥ धिरुवनवापिकदहिन
कनरिदन २ सहजानन्दनृपिणीदवी ॥ ५ ॥ कृतागममनाहममद्युलश्वा
मयर्षनकर्तुखद्वागधनि ॥ ५ ॥ नकधर्मादयानाययिनादव २ यदामामि
५ वंक्तुलिगुहग्वनि ॥ ५ ॥ ॥ नागमउमिनि ॥ नालमाध ॥ दंवीत्र
५ सनवनविवागयिकगा २ उर्थरुनादामद्युलनायाहगमत्र ॥ ५ ॥ ऊगकनि
वासियात्र ॥ अमियममिया निनकदर्ग २ सहजसुन्दत्रिनेयाजिनद्वयप्रयि
सनावपित्र ॥ ५ ॥ ॥ उदयगिनिहनामत्रा २ वजवानाहिनालिमहाकात्र